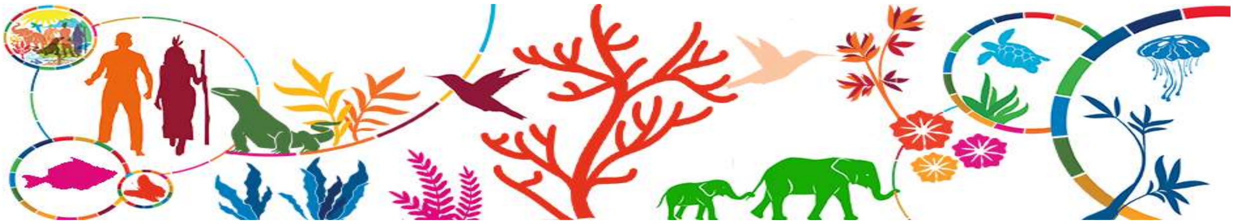

22 MAY 2021
BIODIVERSITY DAY
We're part of the solution #ForNature

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

22 मई 2021

शुष्क वन अनुसन्धान संस्थान, जोधपुर द्वारा 22 मई को 2021 को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया ।संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इस वर्ष का थीम “**We're are part of solution #ForNature**” निर्धारित किया गया है । इस अवसर पर संस्थान के विस्तार विभाग द्वारा एक ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक श्री मानाराम बालोच, भा.व.से. ने की । कार्यक्रम में विस्तार विभाग की प्रभागाध्यक्ष श्रीमती अनीता, भा.व.से. ने अपने स्वागत उद्बोधन में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का संक्षिप्त दिया ।

इसके पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. एस.आर. जाखड़, प्रभागाध्यक्ष भूगर्भशास्त्र, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा “**Biodiversity Conservation, Climate Resilience and Human Health**” पैम्फलेट का विमोचन किया गया ।

कार्यक्रम के आरम्भ में संस्थान के समूह समन्वयक (शोध) एवं वन परिस्तिथिकी प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष डॉ. जी. सिंह ने जैव विविधता का महत्त्व बताते हुए अपने उद्बोधन में बताया कि जैव विविधता क्या है, जैव विविधता का किस तरह उपयोग किया जा रहा है तथा जैव विविधता का संरक्षण कैसे किया जा सकता है? डॉ. सिंह ने **शैनन-वीवर इंडेक्स** कि विस्तृत

जानकारी भी दी जिससे एकरूपता को देखते हुए प्रजातियों की विविधता मापी जा जा सकती है।

इसके पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. एस.आर. जाखड़, प्रभागाध्यक्ष भूगर्भशास्त्र, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा **"Biodiversity in Geological Records"** विषय पर अपने लेक्चर फैनेरोज़ोइक/प्रोटेरोज़ोइक काल तथा सेनोज़ोइक, मेसोजोइक, पैलियोज़ोइक, निओप्रोटेरोज़ोइक, मेसोप्रोटेरोज़ोइक एवं पैलियोप्रोटेरोज़ोइक युगों में राजस्थान एवं गुजरात में पाई गई प्रजातियों की विविधता को एक रुचिकर पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में संस्थान के निदेशक श्री मानाराम बालोच ने कार्यक्रम कि थीम **"We're are part of solution #ForNature"** पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने बताया कि जैव-उत्पादों के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए जैव विविधता अधिनियम 2002 बनाया गया जिसका उद्देश्य जैव विविधता को संरक्षित रखकर वर्तमान और भावी पीढ़ियों के कल्याण के लिये इसके लाभ के वितरण की प्रक्रिया को सुनिश्चित करना है। साथ ही उन्होंने सन्देश दिया कि, पारिस्थितिकी संतुलन बिगाड़ कर मूल प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का नतीजा वर्तमान में हमारें सामने है।

इस अवसर पर कोविड-19 के कारण लॉकडाउन के कारण संस्थान द्वारा संस्थान कर्मियों के स्कूल/कॉलेज के बच्चो के लिए **"We're are part of solution #ForNature"** विषय पर ऑनलाइन निबंध लेखन एवं चित्रकला/ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में श्री राहुल राठौड़ ने प्रथम एंव सुश्री अंजली दाधीच ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में श्री राहुल राठौड़ को विजेता घोषित किया गया। विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा ई-सर्टिफिकेट प्रेषित किये गये ।

कार्यक्रम का सञ्चालन एवं धन्यवाद ज्ञापन विस्तार विभाग के डॉ. बिलास सिंह, मुख्य तकनीकी अधिकारी द्वारा किया गया । कार्यक्रम में कोविड-19 की गाइडलाइन का पूर्ण रूप से पालन किया गया । इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी अधिकारी/वैज्ञानिक तकनीकी एवं मंत्रालयिक कर्मचारी एवं शोधार्थी ऑनलाइन उपस्थित रहें ।

<u>ऑनलाइन कार्यक्रम की झलकियाँ</u>

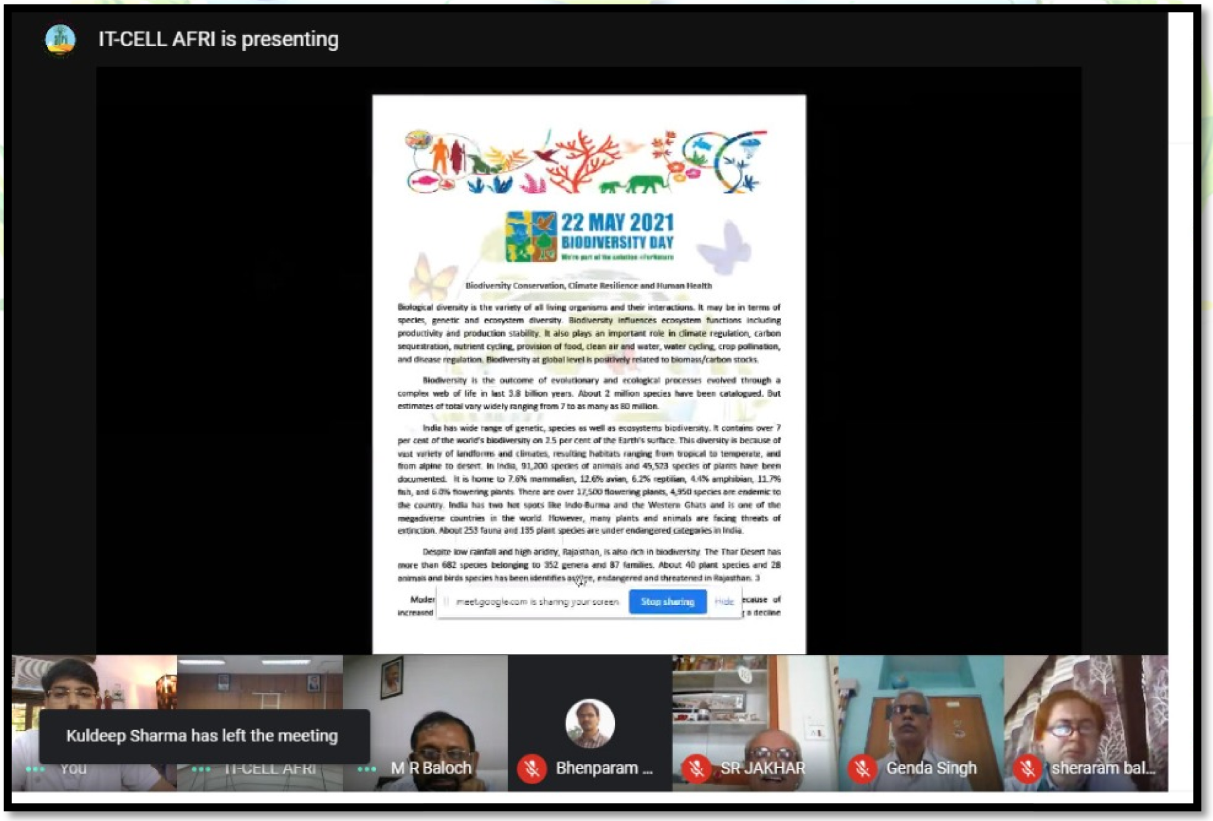

Genda Singh

SR JAKHAR

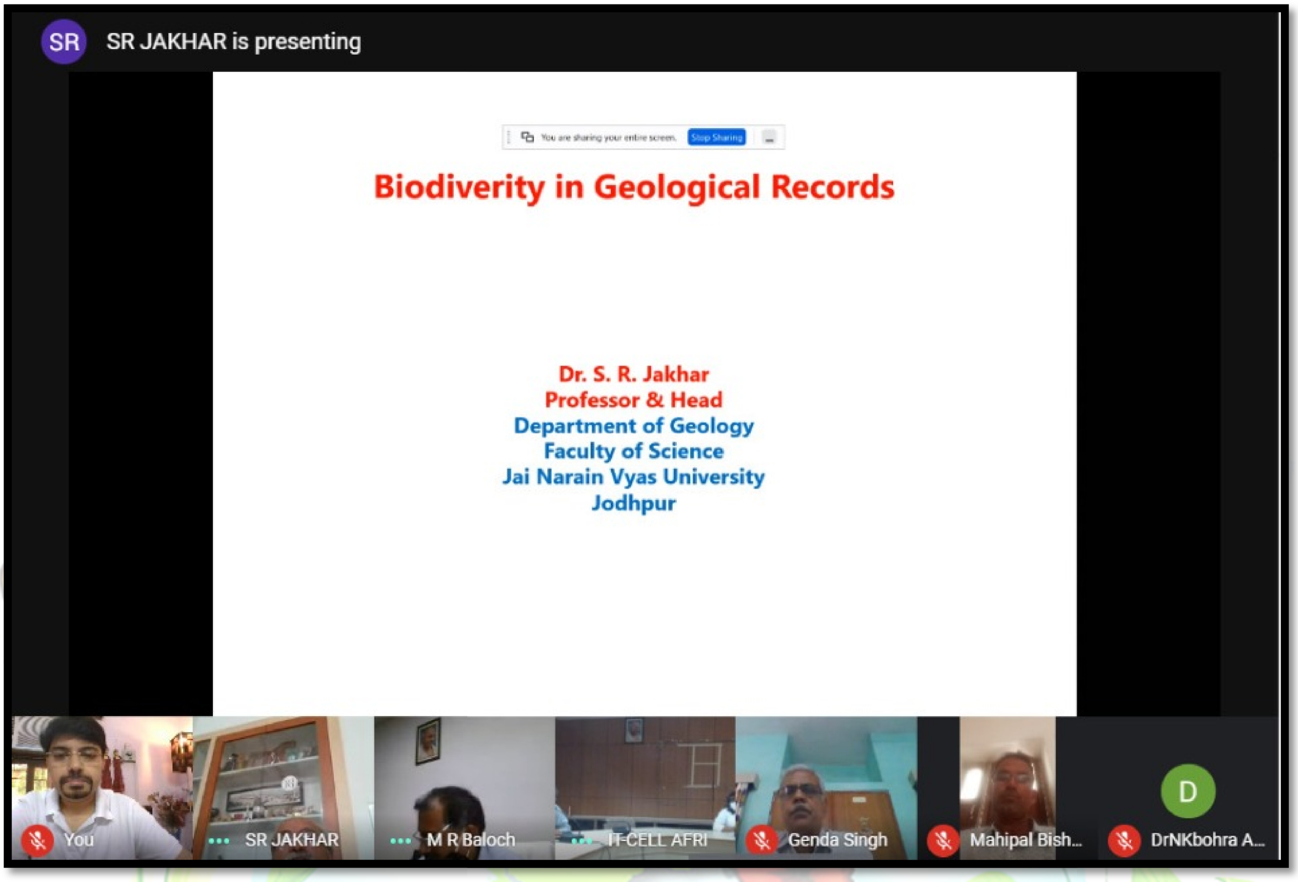
SR JAKHAR is presenting
Biodiverity in Geological Records
Dr. S. R. Jakhar
Professor & Head
Department of Geology
Faculty of Science
Jai Narain Vyas University
Jodhpur
You
SR JAKHAR
M R Baloch
IT-CELL AFRI
Genda Singh
Mahipal Bish...
DrNKbohra A...

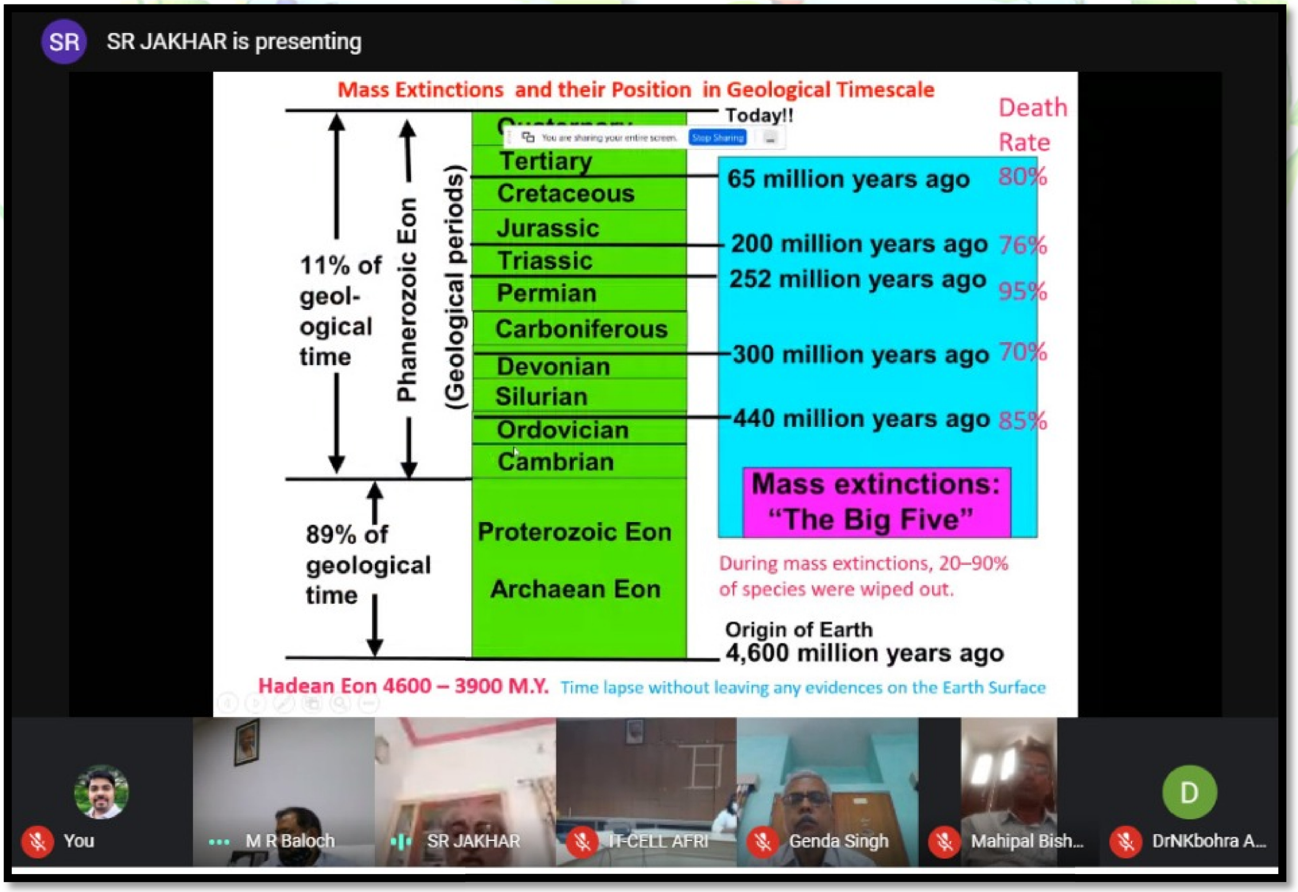
SR JAKHAR is presenting
Mass Extinctions and their Position in Geological Timescale
Today!!
Death Rate
Tertiary
Cretaceous
Jurassic
Triassic
Permian
Carboniferous
Devonian
Silurian
Ordovician
Cambrian
Proterozoic Eon
Archaean Eon
11% of geol-ogical time
89% of geological time
Phanerozoic Eon
(Geological periods)
65 million years ago 80%
200 million years ago 76%
252 million years ago 95%
300 million years ago 70%
440 million years ago 85%
Mass extinctions: "The Big Five"
During mass extinctions, 20–90% of species were wiped out.
Origin of Earth
4,600 million years ago
Hadean Eon 4600 – 3900 M.Y. Time lapse without leaving any evidences on the Earth Surface
You
M R Baloch
SR JAKHAR
IT-CELL AFRI
Genda Singh
Mahipal Bish...
DrNKbohra A...

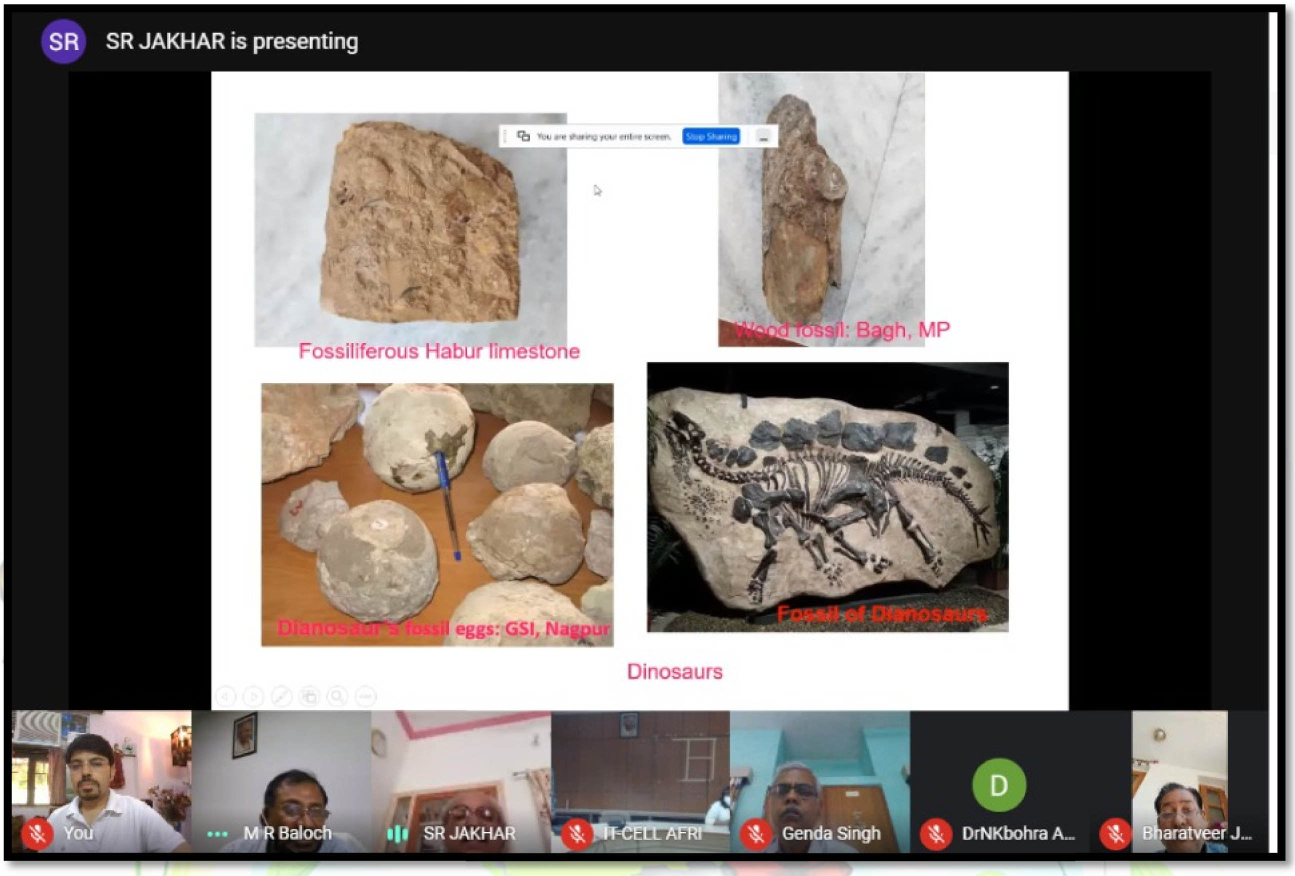
SR JAKHAR is presenting
Fossiliferous Habur limestone
Wood fossil: Bagh, MP
Dianosaur's fossil eggs: GSI, Nagpur
Fossil of Dianosaurs
Dinosaurs
You
M R Baloch
SR JAKHAR
IT-CELL AFRI
Genda Singh
DrNKbohra A...
Bharatveer J...

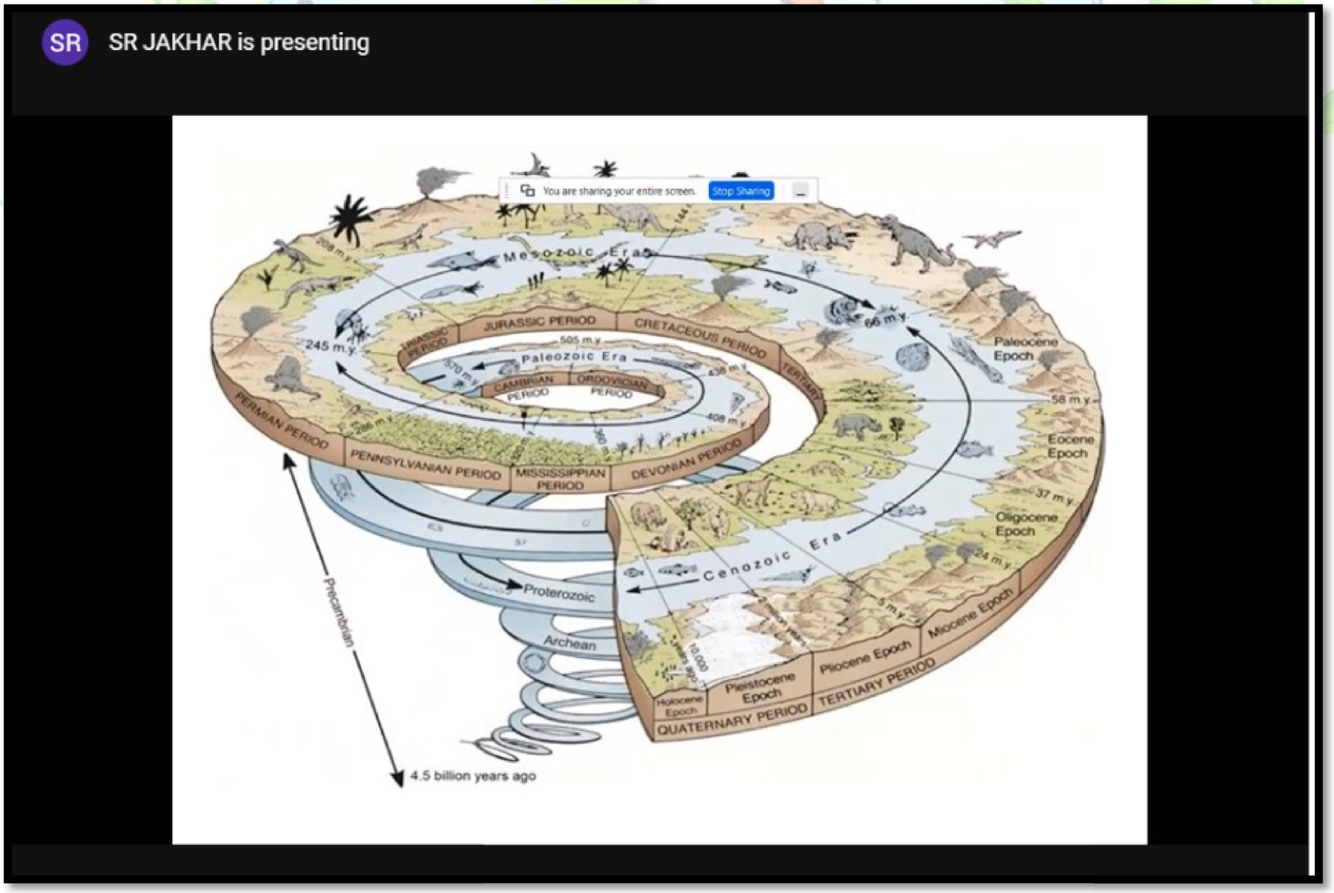
SR JAKHAR is presenting
Mesozoic Era
Paleozoic Era
Cenozoic Era
JURASSIC PERIOD
CRETACEOUS PERIOD
CAMBRIAN PERIOD
ORDOVICIAN PERIOD
PERMIAN PERIOD
PENNSYLVANIAN PERIOD
MISSISSIPPIAN PERIOD
DEVONIAN PERIOD
245 m.y.
66 m.y.
58 m.y.
37 m.y.
Paleocene Epoch
Eocene Epoch
Oligocene Epoch
Miocene Epoch
Pliocene Epoch
Pleistocene Epoch
Holocene Epoch
QUATERNARY PERIOD
TERTIARY PERIOD
Proterozoic
Archean
Precambrian
4.5 billion years ago

IT-CELL AFRI

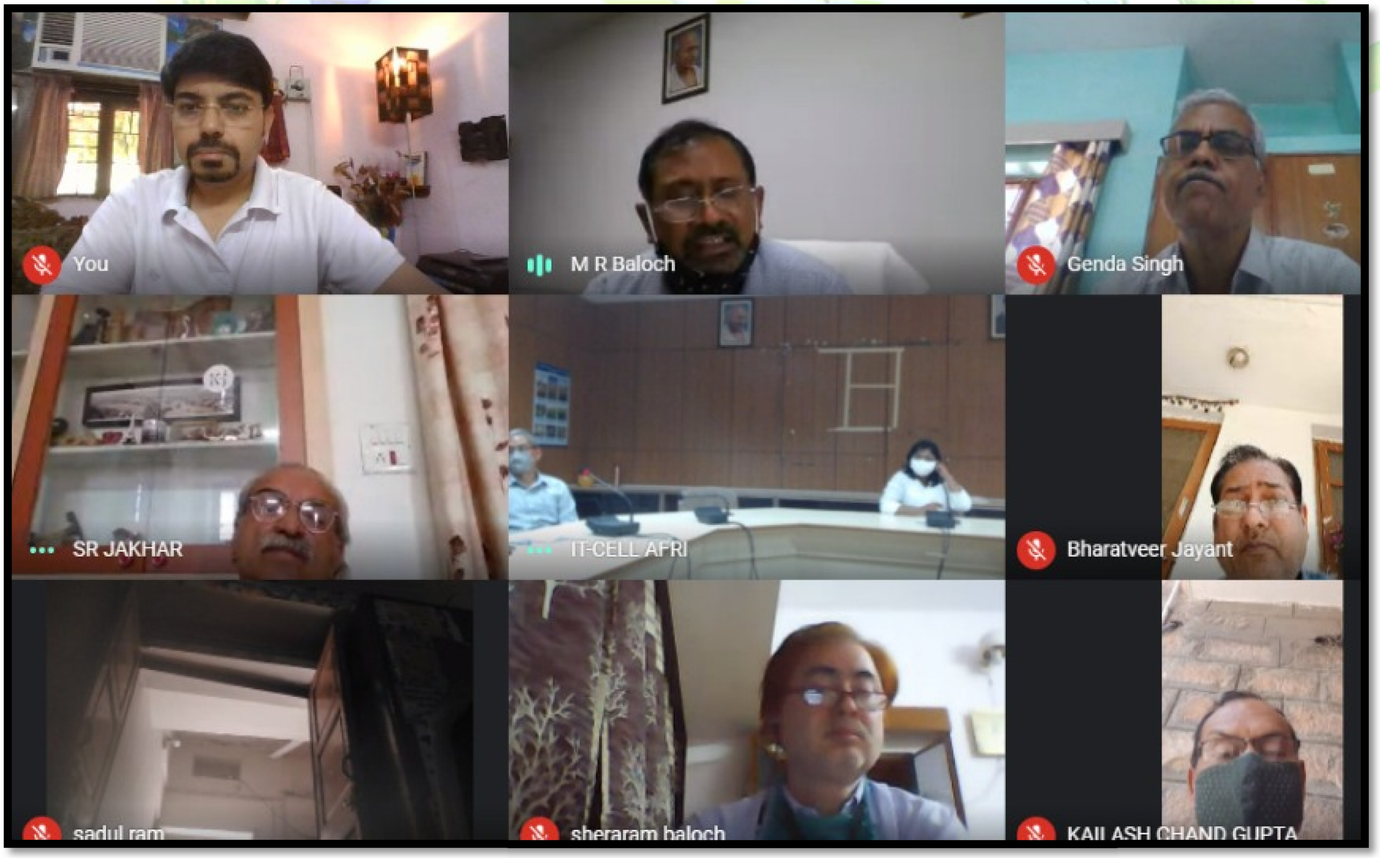
You
M R Baloch
Genda Singh
SR JAKHAR
IT-CELL AFRI
Bharatveer Jayant
sadul ram
sheraram baloch
KAILASH CHAND GUPTA

शुष्क वन अनुसन्धान संस्थान , जोधपुर

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था),जोधपुर (राजस्थान)- 342005

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

22 MAY 2021
BIODIVERSITY DAY
We're part of the solution #ForNature

प्रमाण पत्र

श्री राहुल राठौड़ ने अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, 22 मई 2021 के अवसर पर *"वी आर पार्ट ऑफ़ सोल्यूशन #फॉर नेचर"* विषय पर आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया। इन्हें प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है । हम इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं ।

अनीता, भा.व.से.
प्रभागाध्यक्ष
विस्तार विभाग

एम. आर. बालोच , भा.व.से.
निदेशक
आफरी

शुष्क वन अनुसन्धान संस्थान , जोधपुर

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था),जोधपुर (राजस्थान)- 342005

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

22 MAY 2021
BIODIVERSITY DAY
We're part of the solution #ForNature

प्रमाण पत्र

सुश्री अंजली दाधीच ने अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, 22 मई 2021 के अवसर पर *"वी आर पार्ट ऑफ़ सोल्यूशन #फॉर नेचर"* विषय पर आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया। इन्हें द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है । हम इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं ।

अनीता, भा.व.से.
प्रभागाध्यक्ष
विस्तार विभाग

एम. आर. बालोच , भा.व.से.
निदेशक
आफरी